भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : **4218**

दिनांक 18 जुलाई , 2019 / 27 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत गुवाहाटी को शामिल करना

4218. श्रीमती क्वीन ओझा:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विमानन उद्योग को बढ़ावा देने हेतु गुवाहाटी के कुछ नजदीकी केन्द्रों को क्षेत्रीय संपर्क योजना में शामिल करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना में शहरी केन्द्रों को शामिल करने संबंधी कार्ययोजना क्या है जिनके पास लंबी हवाई पट्टी है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (ग): विविध चरणों की क्षेत्रीय संपर्कता योजना (आरसीएस)- उड़ान के अंतर्गत कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा असम में अवार्ड किए गए हवाईअड्डे/वाटरड्रोम/हेलिपोर्ट रूपसी, जोरहाट, लीलाबारी, तेजपुर, नगाँव, गुवाहटी रिवर फ्रंट, उमरंग्सो रिसर्वोयर हैं। इच्छुक एयरलाइनें कतिपय मार्गों पर मांग के मूल्यांकन के आधार पर समय-समय पर आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत बोली के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं।

आर्थिक मामले संबंधी मंत्रिमंडल समिति ने दिनांक 6 मार्च, 2017 को 4500 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर राज्य सरकारों, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण एवं सिविल इंक्लेवों की मौजूदा अ-सेवित/अल्प-सेवित हवाईअड्डों/हवाईपट्टियों के नवीकरण के लिए प्रस्ताव का अनुमोदन किया था। तथापि, इन अ-सेवित/अल्प-सेवित हवाईअड्डों का नवीकरण 'मांग संचालित' है, जो विभिन्न रियायतें प्रदान करने के लिए एअरलाइन प्रचालकों के साथ साथ राज्य सरकारों की दृढ़ प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है।